

प्रेषक,

निदेशक
सूचना एवं लौक सम्पर्क विभाग
उत्तराखण्ड देहरादून।

सेवा में

जिलाधिकारी,
हरिद्वार,
उत्तराखण्ड

देहरादून: दिनांक ०२ फरवरी, २००८

विषय : जनपद हरिद्वार में पुरानी कवहरी में नवनिर्मित प्रेस क्लब भवन के निर्माण हेतु अवशेष धनराशि अदमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक जिला सूचना अधिकारी हरिद्वार के पत्र संख्या 240/सू.का/प्रेस क्लब /2007-08 दिनांक 22 सितम्बर, 2008 के क्रम में शासनादेश संख्या-12/XXII /2007-4(2) 2005 दिनांक 12 जनवरी, 2009 के द्वारा हरिद्वार प्रेस क्लब के भवन निर्माण संबंधी पुनरीक्षित आगणन हेतु टी०५०३१० द्वारा परीक्षणोपरान्त रास्तुत धनराशि रूपये 30 लाख (रुपये तीस लाख मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृत करते हुये एवं उक्त निर्माण कार्य हेतु वित्तीय कर्ष 2005-06 में शासनादेश संख्या 336/XXII /2005 दिनांक 20 दिसंबर, 2005 द्वारा अदमुक्त की गयी। ३० 10 लाख (रुपये दस लाख मात्र) तथा कर्ष 2007-08 में शासनादेश संख्या - 25/XXII /2007-4 (2) 2005 दिनांक 31 नार्थ, 2008 द्वारा अदमुक्त की गई धनराशि रूपये 11.75 (रुपये एकाढ़ लाख पिंचहत्तर हजार मात्र) युल धनराशि रूपये 21.75 लाख (रुपये इक्कीस लाख पिंचहत्तर हजार मात्र) की धनराशि घटाते हुये उक्त निर्माण हेतु अदमुक्त की जाने वाली अवशेष रूपये 8.25 लाख (रुपये आठ लाख पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि प्रेस क्लब भवन के निर्माण के लिये व्यय हेतु आपके निर्वतन में रखी जाती है।

2 उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिक्रिया के साथ स्वीकृत की जाती है, कि मित्रव्ययी भदों में आवृत्ति सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैन्युअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सदाच अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है।। ऐसा व्यय संविधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मित्रव्ययता निरान्तर आवश्यक है। व्यय करते समय मित्रव्ययता को संबंध में समझ-समझ पर जारी किये गये शासनादेशों में निर्दित निर्दशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3 आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो वरें शिल्पयुल आफ रेट में स्वीकृति नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई है, कि स्वीकृति नियमानुसार क्रम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृति करा ले।

4 कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानवित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्थीरति प्राप्त करनी आवश्यक होगी। कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है।

5 एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।

6 कार्य करने से पूर्व समस्त आपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लो० नि० नि० द्वारा प्रबलित दशों/ विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

7 निर्माण सामग्री क्य करने से पूर्व जानकों एवं स्टोर पर्वेज नियमों का पालन कड़ाई से किया जाए।

8 कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भिता से कार्य स्थल का भली-भाति निरीक्षण अवश्यक करा लिया जाए, तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।

9 निर्माण सामग्री को उपयोग में जाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए। तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।

10 मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047 / XIV -219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का काट करें।

11 उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-14 के अन्वार्ता संख्या-2220 रुपगा तथा प्रसार-60-अन्य-103-प्रेस सूचना सेवाये-03-उत्तराखण्ड में प्रेस चलों की स्थापना-00-24-यहत निर्माण कार्य मानक नं० के आयोजनागत पक्ष के नामे डाला जायेगा।

12 उपरोक्त आदेश वित्त पित्राग के अनुशास पत्र संख्या-123 P / पित्रा अनु०-५/2008, दिनांक 17 दिसम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति को आदार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

/
(सुबद्धन)

निदेशक, सूचना

पत्रांक / सू.एव.लो.सं.वि (प्रेस) / 14 / 2001 तद्दिनाकित
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी उत्तराखण्ड वेहरादून।
2. निजी सचिव, माठ सूचना मंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी इरिहार।
5. मुख्य कोषाधिकारी, हरिहार
6. जिला सूचना अधिकारी, हरिहार
7. वित्त अनुभाग-५
8. एन० आई० सी० उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।

21
(सुबद्धन)
निदेशक, सूचना